गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 270
दि. 01.02.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

रविदास जयंती: पीएम मोदी आज डेरा सचखंड बल्लां में नवाएंगे शीश, हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (जीएनएस)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को संत रविदार की 646वीं जयंती पर पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां जाएंगे और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह आदमपुर हवाई अड्डे का नाम संत रविदास के नाम पर रखेंगे। इसके अलावा हलवारा हवाई अड्डे के सिविल टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।

पीएम ने कहा, संत गुरु रविदास की जयंती के शुभ अवसर पर आदमपुर हवाईअड्डे का नामकरण पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि है। जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं। पंजाब में विमानन अवसंरचना को और आगे बढ़ाते हुए हलवारा हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भी जनता को समर्पित करेंगे। टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। लुधियाना में पहले हवाई अड्डे का रनवे अपेक्षाकृत छोटा था, जो छोटे आकार के विमानों के लिए उपयुक्त था। कनेक्टिविटी में सुधार और बड़े विमानों को समायोजित करने के लिए, नया सिविल एन्क्लेव विकसित किया गया है।

टर्मिनल में कई हरित व ऊर्जा दक्ष सुविधाएं शामिल पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री के सतत और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप, टर्मिनल में कई हरित और ऊर्जा-दक्ष सुविधाएं शामिल हैं। इनमें एलईडी प्रकाश व्यवस्था, इन्सुलेटेड छत, वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज और जल शोधन संयंत्र तथा भूदृश्य निर्माण के लिए पुनर्चक्रित जल का उपयोग शामिल है।इसका स्थापत्य डिजाइन पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जो यात्रियों को एक विशिष्ट और क्षेत्रीय रूप से प्रेरित यात्रा अनुभव प्रदान करती है।

डेरे में श्रद्धालुओं को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां में संत गुरु रविदास जी के सम्मान में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 4:30 बजे मंदिर में दर्शन करेंगे और संत गुरु रविदास जी के चित्र व डेरा सचखंड बल्लां के दूसरे गद्दीनशीन संत सरवन दास जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे अरदास करेंगे और परिक्रमा करेंगे। पीएम मोदी शाम 5:00 बजे श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे। इस अवसर पर

पीएम डेरे के मुखिया संत निरंजन दास जी से भी मुलाकात करेंगे, जिन्हें हाल ही में पद्मश्री से नवाजा गया है।

पीएम के दौरे से पहले डेरा बल्लां और 4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 फरवरी को पंजाब के जालंधर दौरे पर होंगे। वह यहां धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में नतमस्तक होंगे। उनके दौरे से पहले शहर में बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यह धमकी एक ईमेल के माध्यम से दी गई है। इसमें जालंधर के चार स्कूलों और डेरा सचखंड बल्लां को निशाना बनाने की बात कही गई है। धमकी भरे ईमेल के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को संबंधित क्षेत्रों में सघन

योगी सरकार ने यूपी में फिरोजाबाद और हरदोई जिले के इन गांवों के बदल दिए नाम

(एजेंसी)।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 में यूपी में बीजेपी की सरकार बनने के बाद से जिलों और महत्वपूर्ण जगहों के नाम बदलने का सिलसिला जारी है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के दो जिलों झ फिरोजाबाद और हरदोई के दो गांवों के नाम बदलने का फैसला लिया है। इनमें फिरोजाबाद के गांव- उरमुरा किरार और हरदोई के गांव- हाजीपुर का नाम बदला गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि उरमुरा किरार का नाम हरिनगर और हाजीपुर का नाम सियारामपुर करने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद फिरोजाबाद की तहसील व विकासखण्ड शिकोहाबाद स्थित ग्राम पंचायत वासुदेवमई अन्तर्गत ग्राम 'उरमुरा किरार' का नाम परिवर्तित कर

'हरिनगर' करने का निर्णय लिया है।'

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद हरदोई के अंतर्गत विकास खण्ड भरावन की ग्राम पंचायत 'हाजीपुर' का नाम परिवर्तित कर 'सियारामपुर' करने का निर्णय लिया है।'

गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से जिलों और महत्वपूर्ण जगहों के नाम बदलने का सिलसिला जारी है। जैसे इलाहाबाद जिले का नाम बदलकर प्रयागराज और फैजाबाद जिले का नाम बदल कर अयोध्या कर दिया गया। इसी तरह और भी कई नाम बदले गए हैं।

केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद मुगलसराय शहर और उसके रेलवे जंक्शन का नाम बदलकर क्रमशः पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन कर दिया गया।

बीते साल जून में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकर नगर जिले के अकबरपुर बस स्टैंड का नाम बदलकर ह्यश्रावण धाम बस स्टैंडह्व करने की घोषणा की थी।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल से भेंट की

(एजेंसी)।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान, दोनों मंत्रियों ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत और आधुनिक बनाने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और जन-केंद्रित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्री जाधव ने जनहित के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार और पारंपरिक एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के एकीकरण के संबंध में श्री पटेल के दृष्टिकोण की सराहना की। श्री जाधव ने जन स्वास्थ्य के प्रति श्री पटेल की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयासों से प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों, अरब लीग के महासचिव और अरब प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया, जो भारत में दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए आए हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत और अरब जगत के बीच गहरे और ऐतिहासिक जन-संबंधों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने वर्षों से हमारे संबंधों को प्रेरित और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों में भारत-अरब साझेदारी के लिए अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और हमारे लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने लाल किले के लॉन में आयोजित भारत पर्व 2026 के समापन समारोह में भाग लिया

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में लाल किले के लॉन में भारत पर्व 2026 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित यह छह दिवसीय उत्सव, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, कलात्मक परंपराओं और पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करता है।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत पर्व सिर्फ.एक उत्सव से कहीं अधिक है और उन्होंने इसे एक उत्साहपूर्ण अनुभव बताया जो भारत की शाश्वत भावना को जीवंत करता है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव 77वें गणतंत्र दिवस की भावना को आगे बढ़ाता है और राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की भागीदारी के माध्यम से राष्ट्र की आत्मा को दर्शाता है।

गणतंत्र दिवस परेड का ज़िक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भारत की विविधता में एकता, शक्ति में अनुशासन और उद्देश्य के साथ प्रगति का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब है। उन्होंने विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों

द्वारा प्रस्तुत झांकियों की भी सराहना की, जो उनके अनुसार, एक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और प्रगतिशील भारत की कहानी को खूबसूरती से बयां करती हैं, जो विकसित भारत @ 2047 के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यह साल 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय महत्व रखता है, और कहा कि इस सदाबहार गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी और एकता की भावना जगाई और यह आज भी मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना जगाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत पर्व देश भर की परंपराओं, शिल्पों, व्यंजनों और कलात्मक अभिव्यक्तियों को एक मंच पर लाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाता है। उन्होंने काशी तमिल संगमम जैसी पहलों का भी ज़िक्र किया, जो भारत के स्थायी सांस्कृतिक बंधनों और सभ्यतागत एकता के जीवंत उदाहरण हैं।

अमृत काल के दौरान भारत में हो रहे बदलावों के बारे में बात करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा, महिला-नेतृत्व वाला विकास और युवा नवाचार देश की नींव को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि, जिसमें 2025 में 400 करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक यात्राएँ होंगी, भारत को जानने के लिए नए राष्ट्रीय आत्मविश्वास और उत्साह को दर्शाती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि कनेक्टिविटी और पर्यटन बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश - बेहतर रोड नेटवर्क, वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों सहित बढ़ी हुई रेल कनेक्टिविटी, नए एयरपोर्ट और हेरिटेज और तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाओं के जरिए - संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित कर रहा है, खासकर पहले से कम जुड़े हुए इलाकों जैसे कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में।

उन्होंने भारत पर्व को अपने मुख्य सालाना कार्यक्रम के तौर पर सफलतापूर्वक आयोजित करने और एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय को बधाई दी,

आधुनिक तकनीक और एकीकृत कृषि प्रणाली से किसानों की आय दोगुनी : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

(एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक और पत्रकार वार्ता में कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सरकार उल्लेखनीय प्रगति कर रही है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह वैज्ञानिकों, किसानों और केंद्र-राज्य अधिकारियों की एक संयुक्त टीम का गठन किया जाएगा, जो स्थानीय कृषि जलवायु के अनुसार फसल विविधता और उत्पादकता बढ़ाने की रणनीतियाँ विकसित करेगी। इसके साथ ही राज्य में एकीकृत कृषि प्रणाली और छोटे किसानों के लिए विविध आय स्रोत बढ़ाने के कार्यक्रम भी लागू किए जाएंगे।

मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि और ग्रामीण विकास के हर पहलू में सक्रिय है। उन्होंने खपरी में किसानों से संवाद किया और आधुनिक कृषि तकनीकों का निरीक्षण किया। पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और राज्य के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम भी उपस्थित थे।

मंत्री ने किसानों को फल और सब्जियों की उन्नत खेती, पौधों की ग्राफ्टिंग नर्सरी, भाटा पद्धति से टमाटर और शिमला मिर्च की खेती, ड्रैगन फ्रूट, खजूर, ब्लूबेरी और केले की खेती का अवलोकन कराया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक फसलों से प्रति एकड़ 35झ्40 हजार रुपये का लाभ होता है, जबकि आधुनिक बागवानी और उच्च तकनीक अपनाने पर यह लाभ 1झ्2 लाख रुपये प्रति एकड़ तक बढ़ सकता है। कृषि विभाग की टीम ने कीटनाशकों के वैज्ञानिक उपयोग, रोग नियंत्रण और उच्च उत्पादक किस्मों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाली पड़े खेतों में दलहन उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। मसूर, उड़द, मूंग, अरहर आदि दलहनों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही तिलहन फसलों जैसे मूंगफली, सरसों और पाम ऑयल की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि राज्य में एकीकृत कृषि प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को विविध आय स्रोत उपलब्ध होंगे। इसमें पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, औद्योगिक फसलें और जैविक खेती शामिल हैं।

ग्रामीण विकास के क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री ने आंकड़े साझा किए।

प्रधानमंत्री ने पटना पक्षी अभयारण्य और छारी-ढांड में नए रामसर स्थलों का स्वागत किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एटा (उत्तर प्रदेश) में स्थित पटना पक्षी अभयारण्य और कच्छ (गुजरात) में

स्थित छारी-ढांड को रामसर स्थल के रूप में शामिल किए जाने का स्वागत किया है। श्री मोदी ने स्थानीय लोगों और आर्द्रभूमि के संरक्षण के प्रति समर्पित सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि ये पहचान जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव की पोस्ट का जवाब देते हुए एक्स पर पोस्ट किया: 'यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि एटा (उत्तर प्रदेश) में स्थित पटना पक्षी अभयारण्य और कच्छ (गुजरात) में स्थित छारी-ढांड को रामसर स्थल के रूप में शामिल किया गया है।

पंजाब की आप सरकार में दक्षिण कोरिया का मिला साथ, ऑटोमेशन, स्मार्ट कृषि मशीनरी, बीज तकनीक में मिलेगी मदद

(एजेंसी)।

पंजाब के छोटे और सीमांत किसानों के लिए खेती को फिर से व्यवहारिक और लाभदायक पेशा बनाने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज चंडीगढ़ में दक्षिण कोरिया के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया। इस बैठक में स्मार्ट खेती, उन्नत कृषि मशीनरी और बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर में सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

इस बैठक के दौरान घटते कृषि रकबे और खेती की व्यवहारिकता से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए दक्षिण कोरिया की तकनीकी विशेषज्ञता अपनाने पर चर्चा की गई। साथ ही 13 से 15 मार्च तक मोहाली में होने वाले प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले गहन औद्योगिक और निवेश साझेदारी को मजबूत करने पर भी विचार हुआ।

अपने एक्स अकाउंट पर बैठक के मुख्य बिंदु साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चंडीगढ़ में कोरिया गणराज्य के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ स्मार्ट खेती, उन्नत कृषि मशीनरी और बायोटेक्नोलॉजी पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य कृषि को लाभदायक उद्यम बनाने के लिए पंजाब और दक्षिण कोरिया के बीच आपसी सहयोग बढ़ाना है। इस दौरान कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब की समृद्ध विरासत और कामकाज के अनुकूल वातावरण की सराहना भी की। प्रतिनिधिमंडल को 13 से 15 मार्च 2026 तक मोहाली में आयोजित होने वाले प्रोग्रेसिव पंजाब निवेशक , सम्मलेन 2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया गया।

दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब मुख्य रूप से कृषि प्रधान राज्य है और इसने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। हालांकि, घटते कृषि क्षेत्रफल के कारण छोटे और सीमांत किसानों के लिए खेती अब कम लाभकारी होती जा रही है। भूमि के लगातार बंटवारे के कारण बड़ी संख्या में किसानों के लिए खेती लाभदायक व्यवसाय नहीं रह गई है।

तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब स्मॉल एग्रीकल्चर मशीनरी सेक्टर में दक्षिण कोरिया से निवेश आकर्षित करने के लिए उत्सुक है, क्योंकि इस क्षेत्र में दक्षिण कोरिया के पास व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता है। उन्होंने बताया कि दक्षिण कोरिया में सीमित भूमि के कारण वहां वर्टिकल फार्मिंग और कुशल मशीनीकरण तेजी से विकसित हुआ है, जो पंजाब के लिए भी अत्यंत उपयोगी साबित हो सकता है।

सम्पादकीय

हवाई दुर्घटनाओं के बुरे इतिहास के बाद भी नहीं हो सका सुधार

आखिर हम इन हवाई दुर्घटनाओं में कितनी कीमती जानें गंवाएंगे? अगर हाल ही के प्लेन क्रेशों पर नजर डाले तो 2021 में सीडीएस जनरल विपिन रावत, भारत के पहले प्रामुख रक्षा अध्यक्ष का दिसम्बर 2021 तमिलनाडु के वुनूर के पास एयर क्रेश में मृत्य हो गई। दो सितम्बर 2009 को आंध्र प्रादेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) का हेलीकाप्टर नालामाला जंगल में दुर्घटनाग्रास्त हो गया। 30 अप्रौल 2011 को अरुणाचल प्रादेश के पूर्व मुख्यमंत्री दोइली खांदू को तवांडा से ईंटानगर ही रहे हैं हेलीकाप्टर क्रेश हो गया और उनकी मृत्यु हो गई। हाल ही में 2025 (12 जून) को अहमदाबाद में भयंकर एयर क्रेश में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सहित 292 यात्रियों की मौत हो गई। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी का निधन भी एक हेलीकाप्टर क्रेश में हुआ। और अब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार की प्लेन क्रेश में मृत्यु हो गई। पूवा जिले के बारामती में हुए इस हादसे की अब कई कोणों से जांच की जा रही है। क्या यह महज दुर्घटना थी, पायलट एरर था या फिर कोई साजिश थी? इसका जवाब तो गहन जांच से मिल सकता है। अगर कभी मिला भी? क्योंकि आज तक जितने भी क्रेश हुए हैं आज तक उनमें से किसी का भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला, यह नहीं पता चल सका कि दुर्घटना का असल कारण क्या था? अजित दादा पवार के प्लेन क्रेश पर वेंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक विजिवलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिग की कोशिश नाकाम हो गई। अगर पं. बंगाल की मुख्यमंत्री सहित कई नेताओं ने हादसे पर सवाल उठाए हैं और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। हालांकि, अजित पवार के चाचा शरद पवार ने हादसे के पीछे किसी भी तरह की राजनीति होने की बात से इंकार करते हुए कहा कि यह महज एक दुर्घटना थी। हादसे के बाद शुरूआती जानकारियां भी सामने आ चुकी हैं लेकिन अब भी कई ऐसे अहम सवाल हैं जिनके जवाब देश चाहता है। आखिरी पलों में क्या हुआ? लैंडिग के दौरान किन हालात ने खतरा बढ़ाया और क्या सुरक्षा प्रोटोकाल का पूरी तरह पालन हुआ ये वो सवाल है जो इस पूरे मामले को और गंभीर बना रहे हैं। हमें इन सवालों का जवाब चाहिए उनमें प्रामुख हैं : खराब विजिविलिटी में लैंडिग की कोशिश क्यों की गई? क्या यह संभव था कि विमान वापस चला जाता (अगर उसमें ईंधन काफी था)? लैंडिग क्लीटेंस के बाद अचानक क्या हुआ? कितना सुरक्षित है लियर जेट-45 विमान? नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार वीटी-एसएस थे - एलजे 45 चार्टर विमान माध्यम आकार का बिजनेस जेट है। जिन्हें कनाडा की वंपनी बम्बारडियर एटोस्योन ने बनाया है इसमें 8 यात्रियों के बैठने की जगह है। ये विमान छोटे रनवे वाले हवाई अड्डे पर भी आसानी से उतर सकता है।

यह भी पता चला है कि इससे पहले 14 सितम्बर 2023 को, ऐसा ही विमान मुंबई में लैंडिग के बाद रनवे से फिसल गया था और दो हिस्सों में टूट गया था। बुधवार के हादसे के बाद एक बार फिर से सवाल खड़ा हो गया है कि ये विमान कितना सुरक्षित है? क्या लैंडिग एप्रोच सुरक्षित थी? हादसे के चश्मदीदों ने बताया कि विमान को हवा में देखकर ही लग रहा था कि वे लैंड नहीं कर पाएगा। एक प्रात्यक्षदशा ने बताया कि जब विमान नीचे आ रहा था, ऐसा लग रहा था कि वह क्रेश हो जाएगा। तभी तो क्रेश हो गया। डीजीसीए के बयान में ये बताया गया है कि विमान के पायलट ने पहले रनवे न दिखाई की सूचना दी और बाद में ये सूचना दी गई कि रनवे दिख रहा है।

सोशल मीडिया पर सामने आया है कि जिसमें विमान हवा में ही पलटते हुए दिख रहा है। किसी भी विमान हादसे के बाद मे ये शब्द का इस्तेमाल कई बार होता है। ये शब्द एबिएशन और मैरिटरपून इमरजेंसी के लिहाज से बहुत अहम है। एक अन्य पायलट ने कहा कि मेडे कॉल न किया जाना इस ओर इशारा करता है कि आखिरी वक्त तक पायलट का विमान नियंत्रण में था।

किसान की फसल से खिलवाड़ पर अब सीधा प्रहार, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : शिवराज सिंह चौहान

खेतों की मेड़ से नीति का संदेश, गिरहोला-खपरी में किसानों से सीधे संवाद में बोले शिवराज सिंह चौहान

धान से बागवानी और ड्रोन तक, आधुनिक कृषि से किसानों की आय बढ़ाने पर केंद्र का फोकस

कृषि, तकनीक और गांव-तीनों को मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ रही केंद्र सरकार : शिवराज सिंह चौहान

(एजेंसी)।

किसान की मेहनत, उसकी फसल और उसके भविष्य से खिलवाड़ अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली बीज, नकली खाद और नकली कीटनाशकों के जरिए किसानों को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों के खिलाफ केंद्र सरकार निर्णायक, कठोर और दंडात्मक कार्रवाई के रास्ते पर आगे बढ़ चुकी है। किसानों को कानूनी सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करने के लिए संसद में शीघ्र ही नए कृषि कानून लाए जाएंगे। यह स्पष्ट और सख्त नीति-संदेश केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय प्रवास के दौरान दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान और उनका सर्वांगीण विकास है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि कुछ असामाजिक तत्व नकली कृषि आदानों के माध्यम से किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जो केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि किसान के साथ सीधा विश्वासघात है। ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रवास के आरंभ में खेतों की मेड़ पर उतरे केंद्रीय मंत्री

अपने प्रवास की शुरूआत में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने दुर्ग जिले के ग्राम गिरहोला एवं खपरी का दौरा किया, जहाँ उन्होंने खेतों की मेड़ पर उतरकर किसानों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने नर्सरी, खेतों और कृषि फार्मों का निरीक्षण करते हुए फसल चक्र, बागवानी, सिंचाई व्यवस्था, बीज उत्पादन और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी ली।

ग्राम गिरहोला में वृक्षारोपण, हरित और लाभकारी खेती पर जोर

ग्राम गिरहोला में केंद्रीय मंत्री ने आम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम

नहीं, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन आय का सशक्त स्रोत भी बन सकता है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे कृषि के साथ-साथ बागवानी और वृक्ष आधारित खेती को भी अपनाएँ।

खपरी में कृषि फार्म निरीक्षण और किसान चौपाल

इसके पश्चात केंद्रीय कृषि मंत्री ग्राम खपरी स्थित अनिल कृषि फार्म पहुँचे, जहाँ उन्होंने खेतों का निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया। किसान चौपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रगतिशील किसानों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

धान से बागवानी की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

किसानों से संवाद करते हुए श्री चौहान ने कहा कि धान की पारंपरिक खेती के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन और विविधीकृत कृषि अपनाने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। किसानों ने भी बताया कि धान की तुलना में बागवानी फसलों से अधिक लाभ मिल रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने फसल विविधीकरण को समय की आवश्यकता बताते हुए अन्य किसानों को भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि योजनाओं पर फोकस

केंद्रीय मंत्री ने किसानों को केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से छोटे एवं सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभांतरण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से कृषि नवाचार और उत्पादन वृद्धि को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटल कृषि मिशन और ड्रोन तकनीक के जरिए फसल निगरानी, कीटनाशक छिड़काव और लागत में कमी सुनिश्चित की जा रही है।

प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण को बताया भविष्य की राह

उन्होंने प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म सिंचाई और जल संरक्षण आधारित कृषि को भविष्य की खेती बताते हुए किसानों से अधिक से अधिक इन योजनाओं से जुड़ने का आ'ान किया।

कृषि के साथ-साथ ग्रामीण विकास योजनाओं पर भी केंद्रीय मंत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से गांवों की बुनियादी संरचना, संपर्क सुविधा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केवल भवन और सड़क तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्मानजनक जीवन और आजीविका से जुड़ा हुआ है।

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने का संकल्प

अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में कृषि को लाभकारी बनाया जाए और किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो। उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक तकनीक, मजबूत नीति, प्रभावी कानून और किसानों की मेहनत से कृषि क्षेत्र में नई क्रांति आएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री का यह एक दिवसीय प्रवास राज्य में कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, किसानों को जागरूक करने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण तथा आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्कूल शिक्षा, विधि एवं कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, विधायक अहिवारा श्री डोमन लाल कोसेर्वाड़ा, कृषि अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

विकसित भारत के लिए आईआईसीए और नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल के बीच रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं की खोज

(जीएनएस)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (क्कठ्ठअ) ने नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल (ठढउ) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, जिसका नेतृत्व महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर तथा उप महानिदेशक (ग्रुप) श्री उमाशंकर प्रसाद ने किया। इस बैठक का उद्देश्य प्रशिक्षण, अनुसंधान, उत्पादकता, स्थिरता और अनुपालन सहयोग के क्षेत्रों में संभावित साझेदारी की तलाश करना था।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत आईआईसीए के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने किया और अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में महानिदेशक एवं सीईओ, आईआईसीए ने उद्योग जगत से उभरती और निरंतर बदलती मांगों पर प्रकाश डाला तथा संस्थानों के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रासंगिक बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश के नेतृत्व ने भविष्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत की है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संस्थानों को व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों स्तरों पर योगदान देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनपीसी जैसे संस्थागत साझेदारी उभरती चुनौतियों—शासन, उत्पादकता, स्थिरता और नवाचार—का प्रभावी समाधान खोजने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर आईआईसीए के विभिन्न स्कूलों और केन्द्रों के प्रमुखों द्वारा संस्थान की भूमिका और गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन प्रस्तुतियों में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, वकालत (एडवोकेसी) और परामर्श सेवाओं के माध्यम से सरकार एवं निजी क्षेत्र की पहलों को समर्थन देने में आईआईसीए की बहुआयामी भूमिका को रेखांकित किया गया।

संवाद के दौरान एनपीसी की महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर ने बताया कि एनपीसी की स्थापना 1958 में, स्वतंत्रता के तुरंत बाद उस समय हुई जब देश सीमित संसाधनों और उत्पादकता बढ़ाने की तात्कालिक आवश्यकता से जूझ रहा था। उन्होंने जापान की ऐतिहासिक उत्पादकता यात्रा का उल्लेख किया, जिसने भारत में संस्थागत रूप से उत्पादकता आंदोलन की नींव रखी। तब से एनपीसी ने अपना दायरा उद्योग से आगे बढ़ाकर कृषि, सेवाएँ, एमएसएमई, स्थिरता, हरित उत्पादकता और ईएसजी आधारित पहलों तक विस्तारित किया है।

उन्होंने एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए अनुपालन सहयोग में एनपीसी की बढ़ती भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिसमें पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा अनुपालन, जल प्रबंधन, बीआरएसआर रिपोर्टिंग और ईएसजी परामर्श शामिल हैं। एनपीसी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ भी उभरते अनुपालन ढाँचों और उद्योग की नियामकीय आवश्यकताओं के समर्थन हेतु पेशेवर क्षमता निर्माण पर कार्य कर रहा है।

अपने संबोधन में आईआईसीए के महानिदेशक एवं सीईओ ने कहा कि अब प्रशिक्षण संस्थान, शोध निकाय और नीति संगठन अलग-अलग काम नहीं कर सकते। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर कार्यक्रम, सीएसआर प्रभाव ढाँचे, अनुपालन क्षमता निर्माण और अनुप्रयुक्त अनुसंधान जैसे क्षेत्रों को तत्काल सहयोग के प्रमुख बिंदुओं के रूप में चिन्हित किया, जहाँ दोनों संस्थान मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

दोनों संस्थानों ने आगे मिलकर कार्य करने की मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की, ताकि आईआईसीए की नीति अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श क्षमता को एनपीसी की व्यवहारिक और कार्यान्वयन आधारित उत्पादकता विशेषज्ञता के साथ जोड़कर भारत को एक उच्च आय, प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी और सतत अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया जा सके। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. नवीन सिरोही, प्रमुख झ्र स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड मैनेजमेंट, आईआईसीए द्वारा किया गया।

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आयुष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया

प्रविष्टि तिथिः 31 खअठ 2026 11:42अट ु८ ढक्ह ऊ्रँ

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन केन्‍द्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने 30 जनवरी को आयुष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया । यह कार्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा-आधारित दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग को आयुष अनुसंधान में सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 15 दिसंबर से शुरू किया गया था।

इस प्रशिक्षण के लिए कुल 180 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से एक सुव्यवस्थित जांच प्रक्रिया के बाद 33 छात्रों का चयन किया गया। चयनित प्रशिक्षु मुख्य रूप से नई दिल्ली और उसके आसपास के इंजीनियरिंग संस्थानों से थे। यह कार्यक्रम आयुष प्रणालियों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अनुप्रयोग का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया था।

प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों ने एआई-आधारित परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम किया, जिनमें औषधीय पौधों पर शोध, जैवसूचना विज्ञान, प्रकृति मूल्यांकन, मेडिकल इमेजिंग, शारीरिक मुद्रा का पता लगाना और पांडुलिपियों की ऑप्टिकल कैरेक्टर पहचान (ओसीआर) शामिल हैं। ये परियोजनाएं डिजिटल प्रलेखन, साक्ष्य निर्माण और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के प्रौद्योगिकी-आधारित सत्यापन के सीसीआरएएस के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप थी।

इस कार्यक्रम ने एक संवादात्मक और अंत:विषयक शिक्षण वातावरण प्रदान किया, जिससे प्रशिक्षुओं को आयुष की पारंपरिक अवधारणाओं को आधुनिक गणनात्मक उपकरणों के साथ एकीकृत करने में मदद मिली। संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने प्रतिभागियों में नवाचार, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक समस्या-समाधान को प्रोत्साहित किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष

अनुसंधान एवं विकास में युवा प्रतिभाओं को शामिल करके और उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देकर क्षमता निर्माण, नवाचार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के प्रति सीसीआरएएस की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पहल से एक सशक्त अनुसंधान तंत्र के निर्माण में योगदान मिलने और साक्ष्य-आधारित एवं प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोणों के माध्यम से आयुष को मुख्यधारा में लाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

इस कार्यक्रम का समन्वय प्रभारी अधिकारी (आईटी) डॉ. राकेश नारायण वी., श्री नमन गोयल, श्री साहिल, डॉ. गगनदीप और सीसीआरएएस मुख्यालय स्थित आईटी सेल के अन्य तकनीकी अधिकारियों ने किया।

समापन सत्र को सीसीआरएएस के महानिदेशक (डीजी) प्रो. रबीनारायण आचार्य ने संबोधित किया। इस अवसर पर सीसीआरएएस के उप महानिदेशक (डीडीजी) डॉ. एन. श्रीकांत, परिषद के वरिष्ठ अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षुओं के प्रयासों की सराहना की और आयुष प्रणालियों में साक्ष्य-आधारित अनुसंधान को सुदृढ़ करने में उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

प्रोफेसर आचार्य ने आयुष क्षेत्र को आगे बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र में सीसीआरएएस की चल रही पहलों के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण के दौरान विकसित किए गए अनुप्रयोगों को व्यवस्थित, परियोजना-आधारित कार्यान्वयन के माध्यम से सत्यापन और विस्तार के लिए आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

हेडक्वार्टर वेस्टर्न एयर कमांड में सिंदूर शौर्य सम्मान सम्मेलन आयोजित

(एजेंसी)।

हेडक्वार्टर वेस्टर्न एयर कमांड ने भारतीय वायु सेना और राष्ट्र को गौरवान्वित करने वाले वीर वायु योद्धाओं को सलाम करने के लिए 'सिंदूर शौर्य सम्मान सम्मेलन' का आयोजन किया।इस समारोह में उन कार्मिकों को सम्मानित किया गया, जिन्हें असाधारण वीरता, अप्रतिम नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किए गए। कठिन परिचालन परिस्थितियों में किए गए उनके कार्यों ने दुर्लभ साहस, सटीक निष्पादन और मिशन की सफलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का आचरण भारतीय वायु सेना की सर्वोच्च परंपराओं और उसके 'स्वयं से पहले सेवा' के स्थायी भाव का प्रतीक है।

वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने समारोह की अध्यक्षता की और सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं से भेंट की। अपने संबोधन में उन्होंने उनके पेशेवर दबाव में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और कठिन परिचालन वातावरण में अडिग संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि परिचालन उत्कृष्टता कठोर संयुक्त प्रशिक्षण, संसाधनों का निर्बाध समन्वय और उन वायु योद्धाओं की अजेय भावना पर आधारित है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हर समय निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहते हैं।

बाद में, इन सम्मानित वायु योद्धाओं ने वायु सेना के वेटरन्स के साथ संवाद किया, जिन्होंने अपने अनुभव और परिचालन बुद्धिमत्ता साझा की।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, इन सम्मानित कार्मिकों ने जटिल परिचालन परिदृश्यों में असाधारण साहस, इच्छुक परिशुद्धता, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और समन्वित संयुक्त निष्पादन का प्रदर्शन किया। उनके योगदान मिशन उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय वायु सेना की इच्छाशक्ति तथा राष्ट्रीय संकल्प को प्रदर्शित करने में निर्णायक सिद्ध हुए।

इस आयोजन ने भारतीय वायु सेना की स्थायी सतर्कता, परिचालन तैयारियों और राष्ट्र की संप्रभुता तथा वायुसीमा की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 में पहला स्थान प्राप्त किया

आईआईएफटी छात्रों को वैश्विक व्यापार नेतृत्व के लिए कौशल और दूरदृष्टि प्रदान करता है: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

(एजेंसी)।

भारतीय विदेश व्‍यापार संस्‍थान (आईआईएफटी) ने टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक व्यवसाय पर विशेष ध्यान देने वाले प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है। आईआईएफटी भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। इसके परिसर दिल्ली, कोलकाता, काकीनाडा और गिफ्ट सिटी में स्थित है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने शीर्ष स्थान प्राप्त करने पर संस्थान को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को छात्रों को कौशल, दूरदर्शिता और महत्वपूर्ण क्षमताओं से सशक्त बनाने में आईआईएफटी के निरंतर प्रयासों का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य के नेता बनाने और वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वाणिज्य सचिव और आईआईएफटी के कुलाधिपति श्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की प्रगति इसकी मजबूत शैक्षणिक नींव, बढ़ते वैश्विक दृष्टिकोण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि आईआईएफटी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने की भारत की आकांक्षा का समर्थन करता है और राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक स्तर पर सक्षम प्रबंधन पेशेवरों को तैयार करके विकसित भारत की परिकल्पना में योगदान देता है।

आईआईएफटी के कुलपति प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने श्री पीयूष गोयल और श्री राजेश अग्रवाल को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने शैक्षणिक दृढ़ता, नीतिगत प्रासंगिकता, उद्योग के साथ जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय पहुंच को बढ़ाकर, शिक्षण, अनुसंधान और संचालन में वर्तमान समय की वास्तविकताओं को एकीकृत करके इसे विश्व स्तरीय संस्थान बनाने का लक्ष्य रखा है।

1963 में स्थापित, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक डीम्ड विश्वविद्यालय है। आईआईएफटी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में उत्कृष्ट एमबीए कार्यक्रम, कार्यकारी शिक्षा और डॉक्टरेट अनुसंधान प्रदान करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में आधी रात को दहल उठा शॉपिंग स्क्वायर, एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर को लहूलुहान कर भागे शूटर!

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में शुक्रवार देर रात बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आए। यहां एक रिटायर्ड भारतीय वायुसेना (क्अत्र) अधिकारी को उनके रेस्टोरेंट के बाहर अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि गंभीर रूप से घायल अधिकारी को आनन-फानन में मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित की पहचान अवधेश कुमार पाठक (60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वायुसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद सुशांत गोल्फ सिटी के शॉपिंग स्क्वायर में अपना 'क्लाउड किचन' और रेस्टोरेंट चलाते हैं।

शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे जब अवधेश पाठक अपना काम खत्म कर घर जाने के लिए अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे, तभी घात लगाए बैठे

बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। एक गोली उनके कंधे और चेहरे के पास लगी, जिससे वे मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े।

घटना के समय अवधेश की पत्नी मिथलेश भी रेस्टोरेंट में ही मौजूद थीं। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में हड़कंप मच गया और लोग मदद के लिए दौड़े। ऊढ दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास (धारा 307) सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। डॉक्टरों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद अब अवधेश पाठक की हालत स्थिर बनी हुई है, हालांकि वे अभी निगरानी में हैं।

जांच के लिए 5 टीमें गठित, उउळश खंगाल रही पुलिस

लखनऊ पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों के भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस शुरूआती जांच में इसे व्यापारिक रंजिश या पुराने विवाद से जोड़कर देख रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है।

50 मीटर तक रौंदती ले गई बेकाबू कार, आगरा में घर के बाहर बैठे परिवार की बिछ गई लाशें!

(एजेंसी)।

आगरा के थाना न्यू आगरा क्षेत्र में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। एक अनियंत्रित तेज रफ्तार टाटा नेक्सन कार ने सड़क किनारे खड़े बाइक सवार और घर के बाहर बैठे लोगों को बुरी तरह रौंद दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना में अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 3 लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

हादसा नगला बूढ़ी इलाके में केंद्रीय हिंदी संस्थान के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक ने कंट्रोल खो दिया। कार पहले डिवाइडर से टकराई, फिर एक बाइक सवार को

चपेट में लिया और सड़क किनारे बैठे परिवार के सदस्यों को करीब 50 मीटर तक रौंदते हुए दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

इन लोगों ने गंवाई अपनी जान

हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। घायलों को तुरंत सरोजनी नायडू (रठ) मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान इस प्रकार है:

बबली (33 वर्ष), भानु प्रताप (25 वर्ष), कमल (23 वर्ष), कृष्णा (20 वर्ष), बंटेश (21 वर्ष)

गुस्साए लोगों ने ड्राइवर को पीटा, पुलिस ने लिया हिरासत में

हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में जमा हुए ग्रामीणों ने भागने की कोशिश कर रहे कार चालक को पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित कर आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया।

सीएम योगी ने जताया दुख, दिए उचित इलाज के निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों को तत्काल और बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए।

लखनऊ समेत पश्चिमी जिलों में आज और कल छिटपुट बारिश, गोरखपुर में छाया घना कोहरा

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। लखनऊ समेत पश्चिमी यूपी में रविवार से बारिश की संभावना है, जो सोमवार-मंगलवार को पूर्वी

कई जिलों में घना कोहरा और शीत दिवस का अलर्ट जारी।

पश्चिमी विक्षोभ से मंगलवार तक छिटपुट बारिश, 4 फरवरी से ठंड बढ़ेगी।

जागरण संवाददाता, लखनऊ। मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों घना कोहरा छाया रहा और सुबह ठंड के साथ हवा चलने से

गलन भी महसूस की गई। राजधानी में दिन का तापमान पांच डिग्री गिरावट के साथ 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रात का पारा 8.8 डिग्री पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से लखनऊ और आसपास समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना है। सोमवार और मंगलवार को पूर्वी यूपी में भी इसका असर होगा।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, शनिवार को सुबह बरेली, गाजियाबाद, अलीगढ़, आगरा, कानपुर और आजमगढ़ में घना कोहरा रहा और इन जिलों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई। इसके अलावा मेरठ में दृश्यता 10 मीटर, बरेली और बलिया में 20, हमीरपुर में 40 और लखनऊ में 50 मीटर रही। प्रदेश में सबसे ठंडा हरदोई रहा, जहां पर न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया।

केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने पद्म श्री डॉ. पद्म गुरमीत, निदेशक, एनआईएसआर लेह को बधाई दी

(एजेंसी)।

आयुष मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नेशनल इंस् टीट्यूट ऑफ सोवा रिग्पा (एनआईएसआर), लेह के निदेशक पद्म श्री डॉ. पद्म गुरमीत को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है।

श्री जाधव ने आयुष और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से सोवा-रिग्पा प्रणाली को बढ़ावा देने में डॉ. गुरमीत के अनुकरणीय

योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि लद्दाख की प्राचीन चिकित्सा परंपराओं के संरक्षण, विकास और मुख्यधारा के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में उनके एकीकरण के लिए डॉ. गुरमीत के अथक प्रयासों ने देश में समग्र स्वास्थ्य को एक नई दिशा दी है।

मंत्री ने कहा कि यह सम्मान भारत की सदियों पुरानी चिकित्सा विरासत को संरक्षित करने की दिशा में डॉ. गुरमीत के दशकों के समर्पण, विद्वता और सेवा की पहचान है।

उन्होंने आगे कहा कि संपूर्ण आयुष समुदाय और राष्ट्र इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है और पारंपरिक ज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

कर्नाटक की शास्त्रीय और लोक परंपराओं ने भारत पर्व 2026 में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

(एजेंसी)।

कर्नाटक सरकार के कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग ने भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत पर्व 2026 में शास्त्रीय नृत्य, संगीत और पारंपरिक लोक प्रदर्शनों की जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ये राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं।

सांस्कृतिक खंड में कर्नाटक की प्रसिद्ध लोक परंपराओं को प्रदर्शित किया गया, जिसे कर्नाटक पर्यटन विभाग, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिससे महोत्सव में आने वाले दर्शक राज्य की विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों से परिचित हुए।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण था डोलू कुनिथा, जो कर्नाटक के शिवमोग्गा क्षेत्र का शक्तिशाली और लयबद्ध ढोल नृत्य है। भगवान शिव के एक रूप श्री बीरलिंगेश्वर की पूजा से गहराई से जुड़ा यह ऊजार्वान नृत्य कुरुबा गौड़ा समुदाय की परंपराओं से उत्पन्न हुआ है। तालबद्ध ढोल वादन और ऊर्जा युक्त गतिविधियों से सजी

इस प्रस्तुति में भक्ति, शक्ति और सामुदायिक भावना का प्रतिबिंब दिखाई दिया।

एक और मनमोहक प्रस्तुति थी पूजा कुनिथा, जो दक्षिणी कर्नाटक, विशेष रूप से मांड्या, मैसूरु और बेंगलुरु क्षेत्रों का एक जीवंत लोक नृत्य है। परंपरागत रूप से देवी शक्ति की भक्ति में प्रस्तुत किए जाने वाले इस नृत्य में नर्तक लकड़ी या बांस से सजे ढांचों पर संतुलन बनाए रखते हैं। इन पर अक्सर मूर्तियां या पवित्र कलश रखे होते हैं और तामाते ढोल की लयबद्ध थाप पर सुंदर ढंग से नृत्य करते हैं। मंदिर उत्सवों और धार्मिक जुलूसों से जुड़ा यह नृत्य भक्ति, अद्भुत शारीरिक कौशल और भव्य दृश्य का संगम है।

इस प्रस्तुति में शानदार यक्षगान भी शामिल था जो तटीय कर्नाटक की एक अनूठी नृत्य-नाट्य परंपरा है। इसका इतिहास चार शताब्दियों से अधिक पुराना है। नृत्य, संगीत, रंगमंच और तात्कालिक संवादों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण यक्षगान, आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण मुद्राओं और सशक्त संगीत के माध्यम से पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देता है। यह पारंपरिक रात्रिकालीन प्रदर्शन कला आज भी विश्व भर में कर्नाटक की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है।

संपूर्ण प्रस्तुति का नृत्य संयोजन और समन्वय श्री जगदीशा सी. जाला द्वारा किया गया था, जिनके कलात्मक निर्देशन ने दर्शकों के लिए एक आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव सुनिश्चित किया।

भारत पर्व 2026 में कर्नाटक की प्रस्तुति भारत की जीवंत परंपराओं का एक गौरवपूर्ण प्रतिबिंब थी, जिसने सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने और राष्ट्रीय मंच पर क्षेत्रीय कला रूपों को बढ़ावा देने की महोत्सव की भावना को मजबूत किया।

भारत पर्व 2026 में आईएचएम रांची के स्टॉल पर ब्राजील के नागरिक ने झारखंडी और भारतीय संस्कृति की प्रशंसा की

(एजेंसी)।

ऐतिहासिक लाल किले में भारत पर्व के दौरान, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची के स्टॉल पर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक जीवंत क्षण देखने को मिला, जब एक ब्राजीलियाई नागरिक ने उस स् टॉल का दौरा किया और झारखंड की समृद्ध पाक कला और सांस्कृतिक विरासत में गहरी रुचि दिखाई।

आईएचएम रांची के छात्रों ने अतिथि का हार्दिक स्वागत किया और झारखंडी व्यंजन, पारंपरिक खान-पान की प्रथाओं, स्थानीय सामग्रियों और राज्य की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं का ज्ञानवर्धक परिचय दिया। उन्होंने भारत पर्व के महत्व पर भी बल दिया। यह एक राष्ट्रीय मंच है और भारत की विविध संस्कृतियों, व्यंजनों और परंपराओं को एक मंच पर एकजुट करता है, विविधता में एकता की भावना और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

आईएचएम रांची का प्रतिनिधित्व करते हुए शेफ हरे कृष्ण चौधरी ने झारखंड पर विशेष जोर देते हुए भारतीय भोजन परंपराओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि कैसे क्षेत्रीय व्यंजन स्थानीय भौगोलिक स्थितियों, जलवायु और जनजातीय विरासत से गहराई से प्रभावित होते हैं, और कैसे झारखंडी व्यंजन भारत की समृद्ध पाक विविधता का अभिन्न अंग है। भारतीय व्यंजनों के वैश्विक महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत पर्व जैसे आयोजन संस्कृति और खान-पान के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर को प्रदर्शित करने का एक प्रभावी माध्यम है।

ब्राजील के अतिथि ने छात्रों और शिक्षकों के आतिथ्य सत्कार, ज्ञान और प्रस्तुति की सराहना की और झारखंडी व्यंजनों की सादगी, स्थायित्व और सांस्कृतिक गहराई की प्रशंसा की। यह संवाद सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण था, जिसने विश्व में भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देने के भारत पर्व के उद्देश्य को सुदृढ़ किया।

भारत पर्व में स्किल स्टूडियो की गतिविधियों के अंतर्गत, शेफ हरे कृष्ण चौधरी ने पारंपरिक झारखंडी व्यंजन धुस्का को आलू चना सब्जी के साथ परोसते हुए एक लाइव पाक कला प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इस व्यंजन को दर्शकों और भोजन प्रेमियों दोनों ने खूब सराहा। उन्होंने प्रदर्शन के माध्यम से, झारखंडी व्यंजनों की सादगी, पोषण मूल्य और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया और समझाया कि कैसे स्थानीय सामग्रियां और खाना पकाने की पारंपरिक विधियां टिकाऊ और सामुदायिक खाद्य प्रथाओं को दशार्ती हैं।

इस प्रस्तुति ने न केवल झारखंड की पारंपरिक भोजन संस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि आईएचएम रांची की कौशल विकास पहलों को भी प्रदर्शित किया। दर्शकों ने व्यंजन के स्वाद, प्रस्तुति और उससे जुड़ी सांस्कृतिक कहानियों की सराहना की, जिससे झारखंडी व्यंजन भारत पर्व का एक यादगार आकर्षण बन गया।

भारत पर्व 2026 में आईएचएम रांची की भागीदारी क्षेत्रीय व्यंजनों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, साथ ही छात्रों को बहुमूल्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्रदान करती है। शेफ हरे कृष्ण चौधरी की स्किल स्टूडियो में उपस्थिति प्रमुख राष्ट्रीय मंचों पर भारत की विविध पाक कला विरासत को आगे बढ़ाने के प्रति संस्थान के समर्पण को दशार्ती है।

आप मुखिया केजरीवाल ने गोवा में पदाधिकारियों के साथ की बैठक

(एजेंसी)।

गोवा की राजनीति में बदलाव की आहट अब साफ सुनाई देने लगी है। आम आदमी की उम्मीदों, युवाओं की आकांक्षाओं और ईमानदार शासन की चाह को लेकर अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पूरे राजनीतिक फोकस के साथ गोवा में सक्रिय नजर आ रहे हैं। गोवा राज्य समिति के साथ शनिवार को हुई बैठक और संवाद केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह 2027 के विधानसभा चुनावों की ठोस, जमीनी और दीर्घकालिक तैयारी का स्पष्ट संकेत है।

बैठक में नेताओं ने कहा कि गोवा में बड़े स्तर पर जमीन का गलत इस्तेमाल हो रहा है। खेती की खाजान जमीन को नुकसान पहुँचाया जा रहा है और झीलों व नदियों को भी बर्बाद किया जा रहा है। नेताओं का कहना था कि भाजपा की गलत नीतियों और बिना सोचे-समझे किए जा रहे विकास के कारण गोवा का पर्यावरण खराब हो रहा है और लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है।

आम आदमी पार्टी की राजनीति हमेशा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए रही है। इसी सोच के साथ आम आदमी पार्टी अब गोवा में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है।

केजरीवाल ने पार्टी के राज्य नेतृत्व और कार्यकताओं के साथ संगठनात्मक ढांचे, स्थानीय मुद्दों,

युवाओं की भागीदारी और जनता से सीधे संवाद की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक इस बात का प्रमाण है कि आम आदमी पार्टी गोवा को लेकर गंभीर है, प्रतिबद्ध है और पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है।

गोवा की जनता वर्षों से एक ईमानदार और जनकेंद्रित विकल्प की तलाश में है। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था होने के बावजूद बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और आम नागरिक की अनदेखी जैसे मुद्दे लगातार लोगों को परेशान कर रहे हैं। इन्हीं जमीनी सच्चाइयों को समझते हुए केजरीवाल ने स्पष्ट संदेश दिया कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम होनी चाहिए। यही आम आदमी पार्टी की मूल विचारधारा है और यही विचार गोवा की जनता के दिल से जुड़ रहा है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने यह साबित किया है कि ईमानदार नीयत और सही नीति से शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ऐतिहासिक काम किए जा सकते हैं। स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार पर सख्ती ये सभी मॉडल अब देशभर में चर्चा का विषय हैं। गोवा की जनता भी यही चाहती है कि उनके राज्य में विकास का यही मॉडल लागू हो, जहां फैसले जनता के हित में हों, न कि चंद लोगों के फायदे के लिए।

केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गोवा में केवल चुनावी गणित नहीं देख रही, बल्कि जनभावना को समझकर एक मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही है। संगठन को गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत करना, स्थानीय नेतृत्व को आगे लाना, युवाओं और महिलाओं को राजनीति से जोड़ना, ये सभी कदम 2027 की तैयारी को ठोस आधार देते हैं। यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी किसी तात्कालिक लहर पर नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव की बुनियाद पर आगे बढ़ रही है।

गोवा की जनता के लिए यह संदेश साफ है कि बदलाव संभव है। ईमानदार नेतृत्व, साफ नीयत और जनता के साथ मिलकर काम करने की राजनीति ही भविष्य का रास्ता है। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल उसी रास्ते पर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि गोवा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने का अवसर बनेगा और आम आदमी पार्टी इस बदलाव की सबसे मजबूत आवाज बनकर उभर रही है।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल पर सर्वे मॉड्यूल और वक्फ प्रॉपर्टी लीज मॉड्यूल नामक दो अतिरिक्त मॉड्यूल लॉन्च किए

(एजेंसी)।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (उम् मीद) केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी, जनहितैषी और जवाबदेह बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत 30 जनवरी 2026 को दो अतिरिक्त मॉड्यूल - सर्वेक्षण मॉड्यूल और वक्फ संपत्ति पट्टा मॉड्यूल लॉन्च किए।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नए मॉड्यूल् स का शुभारंभ किया।

सर्वेक्षण मॉड्यूल इस पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी को एकत्रित करने, प्रबंधित करने और अद्यतन करने के लिए एक व्यापक डिजिटल ढांचा प्रदान करता है।

वक्फ संपत्ति पट्टा प्रबंधन मॉड्यूल को पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों की पट्टा संबंधी जानकारी के संपूर्ण प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मॉड्यूल पट्टा संबंधी जानकारी, पट्टा अवधि, पट्टा राशि और अन्य प्रासंगिक विवरणों को व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से रिकॉर्ड करने और उनकी निगरानी

करने में सक्षम बनाता है, जिससे वक्फ संपत्तियों के पट्टा में जवाबदेही और निगरानी को मजबूती मिलती है।

यह शुभारंभ वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल शासन विधियों का लाभ उठाने के लिए मंत्रालय के निरंतर प्रयासों को दशार्ता है।

डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वक्फ बोर्डों को इन मॉड्यूल के व्यापक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और पात्र लाभार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने 6 जून 2025 को उम् मीद केंद्रीय पोर्टल की शुरूआत की थी। यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों के वास्तविक समय में अपलोड करने, सत्यापन और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच के रूप में कार्य करता है।

इस पोर्टल का उद्देश्य अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देकर पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के तरीके में एक मौलिक बदलाव लाना है।

इसकी प्रमुख विशेषताओं में सभी वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग के साथ एक व्यापक डिजिटल सूची का निर्माण, समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र, पारदर्शी पट्टे और उपयोग ट्रैकिंग, जीआईएस मैपिंग और अन्य ई-गवर्नेंस विधियों के साथ एकीकरण और सत्यापित रिकॉर्ड और रिपोर्ट तक सार्वजनिक पहुंच शामिल हैं।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय देश भर में वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और राज्य वक्फ बोर्डों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

यूपी के एनकाउंटर स्पेशलिस्टों पर अब चलेगा कोर्ट का हंटर! किस बात पर भड़के हाईकोर्ट के जज? दी सख्त चेतावनी

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के पैरों में गोली मारकर उसे 'मुठभेड़' बताने की बढ़ती प्रवृत्ति पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की सिंगल बैंच ने स्पष्ट किया है कि सजा देने का अधिकार केवल न्यायपालिका के पास है, पुलिस के पास नहीं।

कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि एनकाउंटर के मामलों में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का उल्लंघन हुआ, तो जिलों के पुलिस कप्तान (SP/SSP/कमिश्नर) व्यक्तिगत रूप से अवमानना के जिम्मेदार होंगे।

'प्रमोशन के लिए गोली मारना कानूनन गलत'

मिर्जापुर के राजू उर्फ राजकुमार और दो अन्य की जमानत अर्जियों पर सुनवाई करते हुए जस्टिस देशवाल ने टिप्पणी की कि पुलिस अधिकारी समय से पहले प्रमोशन, वरिष्ठों से तारीफ पाने या सोशल मीडिया पर मशहूर होने के लिए "अनावश्यक रूप से" हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

कोर्ट ने पाया कि कई मामलों में आरोपी के घुटने के ठीक नीचे गोली मारी जाती है, जबकि पुलिस पक्ष को कोई चोट नहीं आती। बेंच ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में कार्यपालिका (पुलिस) को न्यायपालिका की

भूमिका निभाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

6-पॉइंट गाइडलाइंसः अब पुलिस को करना होगा ये पालन

हाईकोर्ट ने पुलिस एनकाउंटर में आरोपी को गंभीर चोट लगने के मामलों के लिए 6 महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं:

1. स्वतंत्र जांचः मुठभेड़ की FIR उसी थाने में दर्ज होगी, लेकिन जांच CBCID या किसी अन्य थाने की टीम करेगी। जांच की निगरानी मुठभेड़ में शामिल अधिकारी से कम से कम एक स्तर ऊपर का अधिकारी करेगा।

2. नाम का उल्लेखः ऋक्ष्म में टीम के सदस्यों के नाम 'आरोपी' की श्रेणी में डालना जरूरी नहीं है, केवल टीम (ऋक्ष्म या रेगुलर पुलिस) का उल्लेख किया जा सकता है।

3. मेडिकल और बयानः घायल का तुरंत इलाज और चोट की जांच अनिवार्य है। मजिस्ट्रेट या मेडिकल ऑफिसर द्वारा फिटनेस सर्टिफिकेट के साथ घायल का बयान दर्ज करना होगा।

4. प्रमोशन पर रोकः एनकाउंटर के तुरंत बाद 'आउट ऑफ टर्न प्रमोशन' या वीरता पुरस्कार नहीं दिया जाएगा। पुरस्कार तभी मिलेगा जब एक उच्च स्तरीय कमेटी बहादुरी को बिना किसी संदेह के साबित कर दे।

5. कोर्ट को रिपोर्टः जांच के बाद रिपोर्ट सक्षम अदालत को भेजी जाएगी, जो सुप्रीम कोर्ट के 'ढवउछ बनाम महाराष्ट्र' मामले की प्रक्रिया का पालन करेगी।

6. सेशंस जज से शिकायतः यदि परिवार को लगे कि जांच निष्पक्ष नहीं है, तो वे संबंधित जिले के सेशंस जज से शिकायत कर सकते हैं।

SP/SSP पर गिरेगी गाज

कोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि अगर किसी जिले में सुप्रीम कोर्ट (PUCL मामला) की गाइडलाइंस का घोर उल्लंघन पाया जाता है, तो सेशंस जज इस मामले को हाईकोर्ट भेज सकते हैं। ऐसी स्थिति में संबंधित जिले के पुलिस प्रमुख (SP/SSP/कमिश्नर) के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

अदालत ने यह आदेश एक ऐसे आरोपी की जमानत मंजूर करते हुए दिया, जिसे पुलिस मुठभेड़ के दौरान गंभीर चोटें आई थीं और जहां पुलिस की ओर से बल प्रयोग की आवश्यकता और अनुपात पर गंभीर सवाल उठे थे।

ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह शहर की आठ मंजिला इमारत में हुआ भयंकर विस्फोट, दहशत में आए लोग

(एजेंसी)।

ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में शनिवार को एक आठ मंजिला इमारत में जोरदार धमाका हुआ। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस विस्फोट से आस-पास की दुकानों और आवासीय इमारतों को काफी क्षति हुई। एक स्थानीय अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों में धमाके की वजह गैस रिसाव बताई जा रही है।

धमाके की सूचना मिलते ही बचाव और अग्निशमन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। राहत कार्य शुरू कर दिए गए सरकारी मीडिया और एएफपी के मुताबिक, खाड़ी तट पर स्थित इस शहर में हुए धमाके की वजह अभी अज्ञात है। सरकारी टेलीविजन ने बताया कि मुअल्लम बुलेवार्ड पर स्थित इस इमारत की दो मंजिलें ढह गईं, जिससे कई वाहन और पास की दुकानें भी क्षतिग्रस्त हुईं।

यह धमाका शहर के सेंटर हिस्से में हुआ, जिसने तेज आवाज सुनकर निवासियों में दहशत फैला दी। अधिकारियों ने इलाके को सील कर घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी क्व्रूठअ ने होर्मोजगन प्रांत के आपदा प्रबंधन महानिदेशक, मेहरदाद हसनजादे के हवाले से बताया कि धमाके के कारणों की जांच जारी है। हसनजादे ने पुष्टि की कि इमरजेंसीकर्मियों द्वारा घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है, पर किसी मौत की सूचना या पुष्टि नहीं हुई है। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित दृश्यों में इमारत का बाहरी हिस्सा पूरी तरह उड़ गया था, अंदरूनी भाग दिख रहा था और चारों तरफ मलबा बिखरा था।

अन्य ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने भी इस धमाके से संबंधित खबरें साझा कीं, लेकिन विस्फोट के सटीक कारण पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिली। यह धमाका ईरान के लिए बढ़े हुए तनाव के बीच हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कड़े बयानों के बाद अमेरिका ने हाल ही में क्षेत्र में एक विमानवाहक पोत समूह तैनात किया था।

दतिया में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, होटल से 3 आरोपी गिरफ्तार; 15 मोबाइल-2 लैपटॉप जब्त

(एजेंसी)।

दतिया जिले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का खेल तेजी से फैलता जा रहा था, लेकिन सिविल लाइन थाना पुलिस ने समय रहते बड़ी कार्रवाई कर इस अवैध नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है।

पुलिस ने उनाव रोड स्थित होटल चैतन्य पैलेस में दबिश देकर मोबाइल और लैपटॉप के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित कर रहे तीन आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से शहर में सक्रिय ऑनलाइन सट्टा रैकेट का पदार्फाश हुआ है।

मध्यरात्रि में मिली थी पुख्ता सूचना

एसडीओपी दतिया आकांक्षा जैन ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस को 30 और 31 जनवरी की दरम्यानी रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि होटल चैतन्य पैलेस की दूसरी मंजिल पर कुछ युवक ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहे हैं। सूचना गंभीर होने के कारण तत्काल सत्यापन कराया गया और सिविल लाइन थाना पुलिस को अलर्ट किया गया।

होटल के कमरे से चल रहा था सट्टे का 'कंट्रोल रूम'

सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से होटल में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान होटल के एक कमरे में तीन युवक मोबाइल फोन और लैपटॉप पर ऑनलाइन सट्टा

खिलाते हुए पाए गए। पुलिस ने मौके से ही तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम इस प्रकार बताए-

राहुल शर्मा (22) निवासी भदौरिया की खिड़की, दतिया

शिवा गौतम (20) निवासी वक्सी के हनुमान मंदिर के पास, दतिया

फैजान अली उर्फ शिज्जू (20) निवासी तलैया मोहल्ला, दतिया

तीनों आरोपी कम उम्र में ही ऑनलाइन सट्टेबाजी के नेटवर्क से जुड़े हुए थे और इसे पेशे की तरह संचालित कर रहे थे।

भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक और बैंकिंग सामग्री जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में सट्टेबाजी से जुड़े उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें शामिल हैं- 15 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 6 बैंक पासबुक, 1 चेकबुक, 3 डेबिट कार्ड, कई एडॉप्टर और चार्जर।जब्त सामग्री से साफ है कि आरोपी सट्टे के पैसों का लेन-देन सुनियोजित तरीके से कर रहे थे।

बैंक खातों के जरिए होता था पैसों का खेल

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे अपने फरार साथी व्ही.के. उर्फ वरुण कुशवाह के साथ मिलकर विभिन्न ऑनलाइन वेबसाइटों के माध्यम से क्रिकेट सट्टा संचालित करते थे। सट्टे से आने वाली रकम अलग-अलग लोगों के नाम से खोले गए बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, ताकि पुलिस की नजरों से बचा जा सके।

गंभीर धाराओं में केस दर्ज

पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ

बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(4), 340, 112(2), 3(5),

सट्टा एक्ट एवं आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया है।

एसडीओपी आकांक्षा जैन ने बताया कि इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। फरार आरोपी व्ही.के. उर्फ वरुण कुशवाह की तलाश लगातार जारी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कसा जाएगा।

पुलिस की सख्त चेतावनी

पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा है कि ऑनलाइन सट्टेबाजी न केवल अवैध है, बल्कि युवाओं को आर्थिक और मानसिक रूप से बर्बाद करने वाला अपराध है। इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त और निरंतर कार्रवाई की जाएगी।

डिब्रूगढ़ बनेगी असम की पावर कैपिटल, 284 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा मेगा प्रोजेक्ट

(एजेंसी)।

असम के डिब्रूगढ़ को राज्य की दूसरी प्रशासनिक राजधानी बनाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। यह सिर्फ असम का पावर कैपिटल भर नहीं होगा, बल्कि पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के लिए इसे प्रशासनिक केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने नए विधानसभा परिसर परियोजना का शिलान्यास भी कर दिया है। इस कदम को ऊपरी असम के लिए प्रशासनिक सशक्तिकरण और क्षेत्रीय संतुलन की बड़ी पहल माना जा रहा है।

सरकार के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग ₹284 करोड़ खर्च किए जाएंगे। नया विधानसभा परिसर डिब्रूगढ़ बायपास रोड के पास 57 बीघा जमीन पर विकसित होगा। यह लगभग 250 एकड़ के मास्टरप्लान का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य केवल एक भवन बनाना नहीं, बल्कि डिब्रूगढ़ को एक आधुनिक प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित करना है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा परिसर

- प्रस्तावित विधानसभा भवन तीन मंजिला (G+2) होगा, जिसमें 150 विधायकों के बैठने की क्षमता रखी गई है।

- इसके अलावा विधायकों के लिए नौ मंजिला (G+8) MLA हॉस्टल बनाया जाएगा, ताकि सत्र के दौरान ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सके।

- परिसर में 800 सीटों वाला ऑडिटोरियम, 100 सीटों का कॉन्फ्रेंस हॉल, मीडिया लाउंज, रेस्टोरेंट और 480 सुरक्षाकर्मियों के लिए बैरक भी शामिल होंगे।

- पूरा प्रोजेक्ट आधुनिक आर्किटेक्चर और ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर आधारित होगा।

30 महीने में पूरा होगा प्रोजेक्ट

राज्य सरकार ने इस परियोजना को 30 महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि 2027 से हर साल कम से कम एक विधानसभा सत्र डिब्रूगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इससे ऊपरी असम के जिलों तिनसुकिया, धेमाजी, शिवसागर और चराइदेव के लोगों को अपनी समस्याओं के लिए बार-बार गुवाहाटी नहीं जाना पड़ेगा। इसके अलावा, यह पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों के लिए भी एक कनेक्टिविटी केंद्र बन सकेगा।

प्रशासनिक विकेंद्रीकरण पर जोर

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। डिब्रूगढ़ पहले से ही शैक्षणिक और आर्थिक हब है, अब राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनने से यहां निवेश, रोजगार और बुनियादी ढांचे को नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्रीय असमानता कम होगी और सरकार तक पहुंच आसान बनेगी।

परमाणु मलबे के नीचे क्या छिपा रहा है ईरान? सैटेलाइट तस्वीरों से टेंशन में ट्रंप और नेतन्याहू

(एजेंसी)।

इजरायल और अमेरिका के भीषण हवाई हमलों के बाद ईरान के जिन परमाणु ठिकानों को दुनिया 'खत्म' मान चुकी थी, वहां फिर से हलचल शुरू हो गई है। ढ'ल्लीɜ छुंर ढइउ की हालिया सैटेलाइट तस्वीरों ने ट्रंप और नेतन्याहू की नींद उड़ा दी है।

तस्वीरों में मलबे के ऊपर रहस्यमयी नई छतें और पहाड़ों के नीचे गहरी खुदाई साफ देखी जा सकती है। विशेषज्ञ इसे ईरान का 'डेथ स्टार' प्लान मान रहे हैं-जहां वो दुनिया की नजरों से बचकर अपने बचे हुए यूरेनियम और सेंट्रीफ्यूज को फिर से असेंबल कर रहा है।

रहस्यमयी छतों का जाल

नतांज और इस्फहान की तस्वीरों ने रक्षा विशेषज्ञों को उलझन में डाल दिया है। जून के युद्ध में तबाह हुए ढांचों पर ईरान ने रातों-रात नई छतें डाल दी हैं। यह कोई निर्माण कार्य नहीं, बल्कि एक 'विजुअल शील्ड' है। इसका मकसद सैटेलाइट्स को यह देखने से रोकना है कि मलबे के नीचे ईरानी वैज्ञानिक क्या कर रहे हैं। बिना क्अएअ की निगरानी के, तेहरान अब गुप्त रूप से अपने परमाणु एसेट्स को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर रहा है।

अभेद्य बंकर की तैयारी

नतांज के पास 'पिकैक्स माउंटेन' में हो रही खुदाई ने पेंटागन को टेंशन दे दी है। एनालिस्ट्स का मानना है कि ईरान यहां एक ऐसी भूमिगत फैसिलिटी बना रहा है, जिस पर दुनिया का सबसे घातक 'बंकर-बस्टर' बम भी बेअसर होगा। पुरानी साइट्स के असुरक्षित

होने के बाद, अब ईरान अपने पूरे परमाणु प्रोग्राम को जमीन के इतने नीचे ले जाना चाहता है जहां न कोई मिसाइल पहुँच सके और न ही कोई जासूसी कैमरा।

'तालेघान-2' का पुनरुद्धारः मिसाइल और एटम का घातक मेल

सिर्फ परमाणु केंद्र ही नहीं, पारचिन सैन्य परिसर में स्थित 'तालेघान-2' पर भी काम शुरू हो गया है। यह वही जगह है जिसे परमाणु हथियारों के विस्फोटक परीक्षणों से जोड़ा जाता रहा है। सैटेलाइट्स बता रहे हैं कि ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को फिर से सक्रिय कर चुका है।

उत्तराखंड में समुदाय विशेष की दुकान का नाम 'बाबा' रखने पर विवाद, मचा बवाल, जानिए हनुमान जी से क्या है कनेक्शन

(एजेंसी)।

उत्तराखंड में एक बार फिर समुदाय विशेष के खिलाफ नाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कोटद्वार स्थित पटेल मार्ग की एक कपड़ों की दुकान का नाम बाबा रखने के नाम को लेकर विवाद खड़ा हो गया। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में युवक पटेल मार्ग स्थित एक कपड़ों की दुकान पर पहुंचकर दुकान का नाम 'बाबा' रखे

जाने का विरोध करते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में दुकानदार को समुदाय विशेष को बाबा नाम इस्तेमाल करने को लेकर विरोध दर्ज करते हुए नजर आए।

दुकानदार का कहना है कि उनकी दुकान पिछले 30 वर्षों से इसी नाम से संचालित हो रही है। साथ ही उसने कहा कि यदि किसी भी समुदाय को इस नाम से आपत्ति है, तो वे बोर्ड हटाने के लिए तैयार हैं। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच सड़क पर तीखी बहस हुई, जो बाद में हाथापाई में बदलने लगी। बाद में आसपास के लोगों ने आकर मामला शांत कराया। घटना को लेकर काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

हिंदूवादी संगठन के सदस्यों ने एक बुजुर्ग दुकानदार की दुकान के नाम पर आपत्ति जताई। संगठन के सदस्यों के नाम को लेकर आपत्ति जताते हुए मौके पर हंगामा किया और नाम बदलने की मांग की। इस दौरान दुकान के बाहर काफी देर तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन होता रहा।

मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने इस घटनाक्रम का विरोध किया, बाद में आसपास के लोगों ने मामले को शांत कराया। पुलिस तक भी मामला पहुंचा है। पुलिस का कहना है कि माहौल को खराब नहीं किया जाने दिया जाएगा।स्थानीय लोगों ने बताया कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का प्रसिद्ध मंदिर है।

हनुमान जी को तपस्वी यानी सिद्ध के रूप में पूजा जाता है। देश को कोने-कोने से श्रद्धालु सिद्धबली बाबा के दर्शन करने आते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि गुरु गोरखनाथ बाबा ने यहां ध्यान लगाया था। स्थानीय लोग इसी वजह से कई दुकानों के नाम बाबा के नाम पर रखते हैं। जो कि हिंदूवादी समुदाय के लोगों की आस्था का प्रतीक माना जाता है।

महाराष्ट्र के सियासी परिवार की बेटी हैं महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम सुनेत्रा

(एजेंसी)।

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है, सुनेत्रा पवार के रूप में राज्य को अपनी पहली महिला उपमुख्यमंत्री मिल चुकी है। अजीत पवार की मजबूत आधार स्तंभ मानी जाने वाली सुनेत्रा पवार अब शासन की बागडोर संभाल चुकी हैं। पति अजित पवार की प्लेन क्रैश में दर्दनाक मौत के बाद राज्य के राजनीतिक घटनाक्रमों ने ही उन्हें सीधे सत्ता के केंद्र में लाकर खड़ा किया है।

सुनेत्रा पवार की पहचान केवल महाराष्ट्र के नामी राजनीतिक पवार परिवार की बहू तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यकर्ता और उद्यमी के तौर पर भी अपनी अलग राह बनाई है। 18 जून 2024 में राज्यसभा सांसद के तौर पर राजनीति में औपचारिक प्रवेश से पहले ही सुनेत्रा पवार अपनी शैक्षिक योग्यता और प्रशासनिक सूझबूझ का परिचय दे चुकी हैं। आइए जानते हैं कि महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार किस जाति से ताल्लुक रखती हैं।

महाराष्ट्र के सियासी परिवार की बेटी

सुनेत्रा पवार का ताल्लुक मराठवाड़ा के धाराशिव परिवार से हैं। इतके पिता का परिवार भी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली हैं, सुनेत्रा पवार के पिता बाजीराव पाटिल स्वतंत्रता सेनानी थे। इसके अलावा सुनेत्रा पवार पूर्व राज्य मंत्री और लोकसभा सांसद पद्मसिंह पाटिल की बहन हैं।

महाराष्ट्र के सियासी परिवार की बहू

शरद पवार और उनके पिता की पुरानी दोस्ती के चलते सुनेत्रा पवार का विवाह एनसपी के दिग्गज नेता अजित पवार से हुआ, 1985 में अजीत पवार से विवाह के बाद, इन्हें "पवार बहू" और वाहिनी के नाम से जाना जाता है। जिससे उनका राजनीतिक पृष्ठभूमि से गहरा जुड़ाव बना।

18 अक्टूबर, 1963 को महाराष्ट्र के टेर में जन्मीं महाराष्ट्र के नवनियुक्त

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार का शादी से पहले नाम सुनेत्रा पाटिल था। वे महाराष्ट्र के राजनीतिक रूप से सक्रिय मराठा परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जहां उनका मूल उपनाम "पाटिल" था। पाटिल' मूल रूप से एक वंशानुगत प्रशासनिक पद था। प्राचीन और मध्यकालीन काल में पाटिल गाँव के प्रमुख होते थे, जिनकी भूमिका राजस्व वसूली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शासन व ग्रामीण समाज के बीच सेतु की थी। समय के साथ यह पद एक उपनाम के रूप में प्रचलित हो गया।

अजित पवार से विवाह के बाद हो गई सुनेत्रा पवार, बदल गई जाति

सुनेत्रा पवार अपने मायके के पाटिल वंश से थीं, और बाद में शादी के बाद वे पवार नाम से जानी जाने लगीं। सुनेत्रा पवार के दिवंगत पति अजित पवार मराठी/मराठा समुदाय से जुड़े हैं और उनकी जातिगत श्रेणी 'OBC (अन्य पिछड़ा वर्ग)' के अंतर्गत आती है। मुख्य रूप से मराठा (96 कुली) और कुनबी (मराठा उपजाति) समुदायों से जुड़ा माना जाता है, जो राज्य के प्रभावशाली भूस्वामी और राजनीतिक रूप से सक्रिय वर्गों में शामिल हैं।

सुनेत्रा पवार का करियर

राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार, जिन्होंने लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूरी बनाकर रखी थी, वर्ष 2024 में राज्यसभा सदस्य बनीं। हालांकि, वे बारामती के चुनावी अभियानों में हमेशा एक विशेष प्रेरक शक्ति रही हैं। सुनेत्रा पवार ने अपने सामाजिक कार्यों की शुरूआत काटेवाड़ी गांव से की। 'निर्मलग्राम' और स्वयं सहायता अभियानों के माध्यम से उन्होंने गांवों में स्वच्छता, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए। महिला सशक्तिकरण के लिए उन्होंने बारामती में एक टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की, जो लगभग 15,000 महिलाओं को रोजगार देता है। वह विद्या प्रतिष्ठान की ट्रस्टी के रूप में भी कई शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में सुनेत्रा पवार ने अपनी ननद सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, बाद में उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में राजनीतिक जिम्मेदारी मिली। पार्थ पवार और रोहित पवार से जुड़े पार्टी के भीतर के मतभेदों के बावजूद, सुनेत्रा पवार ने परिवार और पार्टी के हितों को सर्वोपरि रखा।